प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 08 जून 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलाम सेण्टर में अल्जाईमर रोग के ऊपर एक व्यख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी हेल्थ साईंस सेण्टर के वृद्धावस्था आंतरिक मेडिसिन विभाग के सह अचार्य डॉ0 रविन्द्र 'रवि' भारद्वाज द्वारा दिया गया। डॉ0 भारद्वाज ने बताया कि अल्जाइमर डीमेंसिया का ही एक भाग है। इस बीमारी के लक्षणों को सर्वप्रथम 3 नवम्बर 1906 को एलोइस अल्जाइमर द्वारा पहचाना गया। अल्जाइमर के लक्षण समान्यतः 60-80 साल के उम्र के लोगो मे देखा जाता है। उन्होने डीमेंसिया के कारणो को बताते हुए कहा कि 60 से 80 प्रतिशत डीमेंसिया अल्जाइमर की वहज से होती है, वैस्कुलर डीमेंसिया 10 प्रतिशत अन्य कारणों मे डीमेंसिया लेवी बाडी के साथ (DLB),मिक्स डीमेंसिया, पार्किंसन डिजीज और अन्य है। उन्हो अल्जाइमर डिजीज के बारे में बताया कि इसका कारण न्यूरो डीजनरेशन, प्रोग्रेसिव डीमेंसिया, न्यूरोनल डेथ, एमालोइड प्लाक, न्यूरोफिब्रिलरी टैंगल्स, और मुख्यतः न्यूरो कार्टीक्स, लिम्बिक सिस्टम और सब कार्टिकल रेंज ब्रेन की वजह से होता है।

अल्जाइमर रोग उन व्यक्तियों में होने के ज्यादा खतरा रहता है जो मधुमेह, हृदय रोग, मोटपा से पीड़ित हो साथ मे ही जिन व्यक्तियों के सिर में चोट लगी हो। अल्जाइमर अनुवाशिंक बीमारी भी है।

अल्जाइमर मस्तिष्क का एक मन्द घातक रोग है जो 65 वर्ष से अधिक आयु के दस मे से एक व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह रोग धीरे-धीरे लगता है जब प्लैक और टैंगल कहाने वाले दो असमान्य प्रोटीन खण्ड मस्तिष्क में जमा हो जाते है और मस्तिष्क के कोशाणुओं को नष्ट कर देते है। यह हिप्पोकैम्पस मे शुरू होते है और धीरे-धीरे हिप्पाकैम्पस को नष्ट कर देत है। इस बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों की देख भाल बहुत जरूरी है। इससे व्यक्ति की यादास्त कमजोर हो जाती है, शब्दो के बोलने या लिखने में मुश्किल आना, व्यवहार में बदलाव आदि आने लगता है। इससे बचने के लिए शारीरिक श्रम करें, व्यायाम करें, धुम्रपान न करें और मदिरा पान न करे, व्यस्त रहे और समाजिक क्रियाकलाप में भाग लें। ऐसे मरीजो की देखभाल बहुत जरूरी है। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा डॉ0 भारद्वाज को एक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू